प्रसार भारती
आकाशवाणी केन्द्र शिमला

02.08.2024 **19:45बजे**

'' मुख्य समाचार''

- प्रदेश में बादल फटने व भारी वर्षा से लापता लोगों की तलाश जारी– अब तक 6 लोगों के शव बरामद।
- मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आपदा प्रभावित समेज क्षेत्र का दौरा कर राहत व पुनर्वास कार्यों का लिया जायज़ा– प्रभावितों को हर संभव सहायता का आश्वासन।
- उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा–प्रदेश में अवैध खनन पर नकेल कसने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध।
- जनजातीय ज़िला लाहौल–स्पिति में मौसम के सटीक पूर्वानुमान के लिए दिसंबर 2025 तक स्थापित होगा डॉप्लर रडार।

मौसम अपडेट

प्रदेश में बीते दो दिनों के दौरान हुई मानसून की भारी वर्षा और बादल फटने की घटना में लापता लोगों की तलाश के लिए राहत व बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। कुल्लू, मंडी और शिमला ज़िले में बादल फटने की घटनाओं में अब तक 6 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इनमें पांच मंडी और एक कुल्लू ज़िला का है। आपदा प्रबंधन के ताजा आंकड़ों के मुताबिक 55 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है जबकि 25 लोग कुल्लू जिला के मलाणा में फंसे हुए हैं जिन्हें निकालने का प्रयास किया जा रहा है। राजस्व व आपदा प्रबंधन के विशेष सचिव डीसी राणा ने बताया कि पानी के तेज बहाव की वजह से ब्यास नदी के नजदीक एक गांव में नौ लोग फंस गए थे, जिन्हें बाद में एनडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीम ने रेस्क्यू किया। उन्होंने बताया कि रामपुर के समेज में एनडीआरएफ के 70 जवान बचाव अभियान चला रहे हैं। इसके अलावा

आईटीबीपी और एसडीआरएफ जवान भी बचाव अभियान में जुटे हुए हैं। डीसी राणा ने बताया कि मलाणा में भी 20 से 25 लोगों के फंसे होने की जानकारी है। इनमें कुछ पर्यटक भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि ये सभी पूरी तरह से सुरक्षित हैं और इनके पास खाद्यान्न सामग्री भी उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज शिमला जिला के रामपुर के समीप आपदा प्रभावित क्षेत्र समेज का दौरा कर राहत व पुनर्वास कार्यों का जायज़ा लिया। समेज खड्ड में आई बाढ़ में 36 लोग बह गए हैं, जिनमें करीब 8 बच्चे और 15 महिलाएं भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने लापता लोगों के परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया और उन्हें सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावित परिवारों को किसी भी अन्य गांव में किराए पर रहने के लिए 5 हज़ार रूपये दिए जाएंगे और फौरी राहत व रोज़मर्रा की ज़रूरत के लिए फिलहाल सरकार 50 हज़ार रूपये प्रदान करेगी। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रभावितों के लिए खाद्यान्न सामग्री सहित अन्य आवश्यक वस्तुएं मुहैया कराने के प्रशासन को निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बादल फटने और भारी बारिश से मंडी, शिमला और कुल्लू ज़िले में एक सौ 15 घर, पैदल चलने योग्य 14 पुल, 23 गौशाला, 10 दुकानें और 3 मछली फार्म तबाह हो गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार प्रभावित परिवारों का राहत प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने आपदा प्रभावितों को आश्वासन दिया कि उनके घरों के पुनर्निर्माण के लिए शीघ्र वित्तीय सहायता की घोषणा की जाएगी। इस दौरान शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर और सातवें राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष व रामपुर से विधायक नंदलाल भी मुख्यमंत्री के साथ मौजूद रहे। इस बीच पूर्व विधायक सिंघी राम ने समेज गांव में बादल फटने के कारण प्रभावित परिवारों से अपनी संवेदना व्यक्त की है।

मुकेश अग्निहोत्री

उप–मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने आज शिमला व कुल्लू ज़िले के विभिन्न स्थानों पर भारी वर्षा व बादल फटने के कारण जलशक्ति विभाग की पेयजल योजनाओं को हुए नुकसान का जायज़ा लिया। उन्होंने कहा कि बागी पुल में बाढ़ से जलशक्ति विभाग को लगभग 10 करोड़ रूपये का नुकसान हुआ है। उप–मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल योजनाओं को सुचारू करने के लिए विभाग के अधिकारी व कर्मचारी पूरी मेहनत से कार्य कर रहे हैं ताकि लोगों को पेयजल किल्लत का सामना न करना पड़े। अग्निहोत्री ने कहा कि 3 सौ 15 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाली कुर्पन खड्ड परियोजना के पंप हाऊस, मशीनरी और टैंक भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उन्होंने कहा कि रामपुर क्षेत्र में 7 करोड़ 50 लाख रूपये की 19 पेयजल योजनाओं व एक सीवरेज लाईन को भी नुकसान पहुंचा है, जिनमें से 10 पेयजल योजनाओं को फिर से सुचारू कर दिया गया है। इस दौरान मुकेश अग्निहोत्री ने बागी पुल में आपदा प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

जयराम ठाकुर

पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें हिमाचल प्रदेश में आई आपदा से हुए जानमाल के नुकसान की जानकारी दी। इस दौरान प्रधानमंत्री ने आपदा से निपटने के लिए प्रदेश को हर संभव मदद का भरोसा दिया। प्रधानमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों से भी राहत व बचाव कार्य में जुटकर प्रभावितों की हर संभव मदद करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हिमाचल की त्रासदी से निपटने के लिए भविष्य में जिस भी तरह के संसाधन की आवश्यकता होगी, वो प्रदेश सरकार को तत्काल उपलब्ध करवाई जाएगी। जयराम ठाकुर ने आपदा राहत व बचाव कार्य में प्रदेश को सहयोग देने के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा आपदा के समय प्रदेश की हर संभव मदद की जा रही है और एन.डी.आर.एफ., सेना, वायु सेना राहत और बचाव कार्य में जुटी है।

हर्षवर्धन चौहान

उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश में अवैध खनन पर नकेल कसने के लिए प्रतिबद्ध है। ऊना में आज एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि इसके लिए हर ज़िले में निगरानी बढ़ाई गई है। विशेषकर सीमांत ज़िलों में अवैध खनन गतिविधियों पर लगाम लगाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि अवैध खनन में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि प्रदेश में अवैध खनन पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को अवैध खनन के खिलाफ कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए। उद्योग मंत्री ने खनन विभाग को मांग और उपायुक्त के परामर्श के अनुसार चैक पोस्ट स्थापित करने के निर्देश भी दिए।

सिकंदर कुमार

जनजातीय ज़िला लाहौल–स्पिति में दिसंबर 2025 तक मौसम के सटीक पूर्वानुमान के लिए एक्स बैंड डॉप्लर रडार स्थापित किया जाएगा। राज्यसभा सांसद डॉक्टर सिकंदर कुमार द्वारा संसद में पूछे गए सवाल के लिखित जवाब में विज्ञान व प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में हिमाचल में 3 डॉप्लर मौसम रडार क्रियाशील हैं, जिनमें शिमला ज़िला के कुफरी, मंडी के मुरारी देवी और चंबा के जोत में स्थापित डॉप्लर मौसम रडार शामिल हैं। जितेंद्र सिंह ने बताया कि हिमाचल में डॉप्लर रडार की स्थापना व संचालन पर 13 करोड़ 87 लाख रूपये खर्च किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्र लाहौल–स्पिति में डॉप्लर रडार स्थापित करने से मौसम और आपदाओं से संबंधित सटीक जानकारी मिल सकेगी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि डॉप्लर रडार मौसम विभाग को लगातार डेटा भेजेगा, जिससे प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में मदद मिलेगी।

अनुराग ठाकुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर से लोकसभा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर संसद की लोक लेखा समिति के सदस्य के रूप में चुने गये हैं। यह समिति सरकार के वार्षिक वित्त लेखों और व्यय को पूरा करने के लिये सदन द्वारा दी गई राशि के विनियोग को दर्शाने वाले लेखों की जाँच करने का काम करती है। लोक लेखा समिति भारतीय संसद के कुछ चुने हुए सदस्यों वाली समिति है जो भारत सरकार के खर्चों का ऑडिट करती है।

इंदु गोस्वामी

केंद्रीय श्रम व रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा है कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा हिमाचल प्रदेश के सभी जिलों में प्रत्येक महीने की 27 तारीख को निधि आपके निकट कार्यक्रम का संचालन किया जाता है। राज्यसभा सांसद इन्दु गोस्वामी द्वारा संसद में पूछे गए एक लिखित प्रश्न के उत्तर में उन्होंने ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'निधि आपके निकट' कार्यक्रम के तहत जनवरी से जून के बीच मिली सभी एक हज़ार एक सौ 78 शिकायतों का निपटारा कर दिया गया है। शोभा करंदलाजे ने कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा हिमाचल में कोई नया कार्यालय खोलने की योजना नहीं है। उन्होंने बताया कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन का क्षेत्रीय कार्यालय शिमला में स्थापित है जबकि बद्दी, नाहन, पालमपुर और कुल्लू में चार जिला कार्यालय कार्यरत हैं।

किन्नर कैलाश

जनजातीय ज़िला किन्नौर की प्रसिद्ध किन्नर कैलाश यात्रा पहली अगस्त से आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है और यात्रा के पहले दिन कल 4 सौ 3 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना हुआ। किन्नर कैलाश यात्रा के अध्यक्ष व कल्पा के एस.डी.एम. मेजर शशांक गुप्ता ने बताया कि 26 अगस्त तक चलने वाली इस यात्रा के लिए सुरक्षा के सभी पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान प्रतिदिन 3 सौ 50 श्रद्धालु बेस कैंप से रवाना होंगे। शशांक गुप्ता ने

बताया कि ज़िला प्रशासन मौसम को लेकर भी पूरी तरह सतर्क है और खराब मौसम की स्थिति में यात्रा को रोक दिया जाएगा।

मुख्य समाचार

- प्रदेश में बादल फटने व भारी वर्षा से लापता लोगों की तलाश जारी– अब तक 6 लोगों के शव बरामद।
- मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आपदा प्रभावित समेज क्षेत्र का दौरा कर राहत व पुनर्वास कार्यों का लिया जायज़ा– प्रभावितों को हर संभव सहायता का आश्वासन।
- उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा–प्रदेश में अवैध खनन पर नकेल कसने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध।
- जनजातीय ज़िला लाहौल–स्पिति में मौसम के सटीक पूर्वानुमान के लिए दिसंबर 2025 तक स्थापित होगा डॉप्लर रडार।